हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय

CENTRAL UNIVERSITY OF HIMACHAL PRADESH

[ESTABLISHED UNDER THE CENTRAL UNIVERSITIES ACT 2009]

विशेष व्याख्यान श्रृंखला 19 -25 सितम्बर 2024

एकात्म मानव दर्शन एवं अंत्योदय के प्रणेता पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी की 109वीं जन्म-जयंती के पावन अवसर में

दीनदयाल उपाध्याय अध्ययन केन्द्र

द्वारा आयोजित

ऑनलाइन व्याख्यान माला

समय - दोपहर तीन बजे

प्रतिभागी लिंक-प्रतिदिन : https://meet.google.com/itk-kfcz-aip

मुख्य संरक्षक एवं मार्गदर्शक

आचार्य सत प्रकाश बंसल

माननीय कुलपति - हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

निर्देशन

प्रो. प्रदीप कुमार
अधिष्ठाता अकादमिक हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

मुख्य वक्ता

प्रो. हरीश ठाकुर
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला

विषय- वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों की प्रासंगिकता
19 सितम्बर, 2024

मुख्य वक्ता:- प्रो. ज्योति प्रकाश जी

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला

विषय:- विपश्यना मानसिक शांति और प्रकृति का आधार

20/09/2024 शुक्रवार

मुख्य वक्ता: -डॉ. अंकित अग्रवाल जी

दिल्ली विश्वविद्यालय

विषय:- पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की दृष्टि में भारतीय संस्कृति का महत्व आज के संदर्भ में

21/09/2024

मुख्य वक्ता:- प्रो ० कुलभूषण जी

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला

विषय:- पूर्ण विकसित भारत 2047 की लक्ष्य प्राप्ति में पंडित दीनदयाल उपाधि के विचारों की उपादेयता

22/09/2024 रविवार

मुख्य वक्ता: - प्रो० मनु सूद जी

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला

विषय:- शोध से विमर्श तक की यात्रा :दीनदयाल उपाध्याय जी की वैचारिकी के सन्दर्भ में

23/09/2024 सोमवार

24/09/2024 मंगलवार

मुख्य वक्ता:- प्रो० जोगिंदर सकलानी जी

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला

विषय:- विकसित भारत में युवाओं की भूमिका

24/09/2024 मंगलवार

मुख्य वक्ता:- प्रो० प्रशांत जगन्नाथ जी

महाराष्ट्र

विषय:- पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जीवन संदेश

25/09/2024 बुधवार

संयोजक

डॉ. इन्द्र सिंह ठाकुर, निदेशक

डॉ. उदय भान सिंह, सह आचार्य

श्री करतार सिंह, सहायक आचार्य

आयोजन टीम

डॉ. संजय कुमार, सहायक आचार्य

डॉ. सुनीता, सहायक आचार्य

डॉ. चन्द्र शेखर, सहायक आचार्य

श्री करतार सिंह, सहायक आचार्य

एवं

केन्द्र के समस्त विद्यार्थी व शोधार्थी

दीनदयाल उपाध्याय अध्ययन केन्द्र

सम्पर्क सूत्र : 8580491435

व्याख्यान के बारे में व्याख्यान या बौद्धिक किसी भी विषय के स्पष्टीकरण तथा प्रबोधन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माध्यम है | व्याख्यान के माध्यम से जहाँ कठिन से कठिन विषयों का सरलतम ढंग से प्रस्तुतिकरण करते हुए प्रस्तोता श्रोताओं को विषय की बारीकियों से अवगत करवाता है, वहीं दूसरी तरफ श्रोता या प्रतिभागी लाभान्वित होकर प्रबोधित होता है | इसी बात को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल जी के दिशा निर्देश में इस मासिक व्याख्यान माला का शुभारंभ किया गया है | व्याख्यान माला के माध्यम से राष्ट्र एवं विश्व के महान चिंतक दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों की जहाँ वर्तमान संदर्भ में व्याख्या की जाती है, वहीं दूसरी तरफ स्थानीय, प्रादेशिक, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय ज्वलंत विषयों को भी शामिल कर चर्चा-परिचर्चा की जाती है, ताकि समाज विशेष कर युवा पीढ़ी को दृष्टि एवं दिशा मिल सके |

दीनदयाल उपाध्याय अध्ययन केन्द्र

भारत के प्रबुद्ध विद्वानों तथा चिंतकों के मार्गदर्शन और हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला के निर्देशानुसार वर्ष 2019 में दीनदयाल उपाध्याय अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गई थी | स्थापना से लेकर अब तक अनेकों राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विद्वानों के द्वारा व्याख्यान श्रृंखला के माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों, युवाओं और समाज को प्रबोधन दिया जा चुका है | केन्द्र में शोधार्थी पी.एच.डी. एवं पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के माध्यम से संलग्न हो, अध्ययन एवं शोध के कार्यों में पारंगत होकर गहन ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं | आने वाले समय में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) तथा अन्य अनुदान देने वाले अभिकरणों के साथ मिलकर समाज एवं मानवता को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करने वाले विषयों पर शोध करने की योजना पर बड़ी तेजी के साथ कार्य चल रहा है | कुछ विषयों में यह कार्य प्रारम्भ भी हो चुका है | शैक्षिण एवं सांस्कृतिक भ्रमण, अनुसंधान, विभिन्न ज्वलंत विषयों पर चर्चा-परिचर्चा, भाषण, वाद-विवाद प्रतियोगिता व अन्य बौद्धिक अभिक्रियाओं के माध्यम से नवीन ज्ञान का सृजन व वैश्विक समाज में उस ज्ञान का प्रचार-प्रसार तथा संचारण के लिए केन्द्र कृत संकल्पित है | विख्यात दार्शनिक, राजनीतिक

चिंतक, पत्रकार एवं समाज जीवन की गहरी परख रखने वाले दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर 1916 को राजस्थान के धनकिया गाँव में उनके नाना श्री चुन्नीलाल शुक्ल के घर हुआ था | बाल्यकाल से अनेक संघर्षों और जन्झावातों से उनका सामना हुआ, मगर इन सबसे प्रभा हुए बिना अध्ययन के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ते रहे तथा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संपर्क में आने के बाद अनेक दायित्वों का निर्वहन करते हुए लखनऊ से राष्ट्रधर्म मासिक, साप्ताहिक पांचजन्य और स्वदेश के शुभारम्भ में सहभागी बने | भारतीय जनसंघ के संस्थापको में से एक उपाध्याय जी 1967 में दल के अध्यक्ष बने | मगर इससे पूर्व की वह दल के माध्यम से राष्ट्र के लिए बहुत कुछ कर पाते फरवरी 1968 में उनका आकस्मिक निधन हो गया, जो कि राष्ट्र के लिए एक बहुत बड़ी हानि साबित हुई | अपने जीवनकाल में उपाध्याय जी ने एकात्मक मानव दर्शन एवं अंत्योदय जैसे कालजयी अकाट्य सिद्धांत प्रतिपादित करते हुए सम्पूर्ण विश्व एवं मानवता के कल्याण व विश्व शांति का मार्ग प्रशस्त किया | उपाध्याय जी के विचार वैश्विक युद्ध व उथल-पुथल के मुहाने पर खड़ी मानवता और शांति के लिए निश्चित रूप से मार्गदर्शक स्तंभ के रूप में हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं |वित

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की NAAC समिति द्वारा A+ से अलंकृत हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय भारत के प्रतिष्ठित व अग्रणी केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में शामिल है | इसकी स्थापना संसद के द्वारा 2009 में की गई थी तथा 20 जनवरी, 2010 को प्रथम कुलपति की नियुक्ति के साथ ही विश्वविद्यालय क्रियाशील हो गया था | विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति व भारतीय धर्म, समाज, संस्कृति एवं वांग्मय् के मर्मज्ञ प्रो. कुलदीप चंद्र अग्निहोत्री

के मार्ग दर्शन में विश्वविद्यालय ने नई गति प्राप्त करते हुए अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाया | वर्तमान कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल जी की दूरदर्शिता तथा बहुआयामी सोच और आधुनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने अनेक पाठ्यक्रम, विभाग और अनुसंधान के केंद्र स्थापित किए हैं जिनके माध्यम से विश्वविद्यालय उच्चस्तरीय अध्ययन और अनुसंधान का महत्वपूर्ण केन्द्र उभरा है | कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल जी ने विश्वविद्यालय को देश और विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण, अध्ययन और अनुसंधान संस्थानों व विश्वविद्यालयों से जोड़ कर एक नया आयाम प्रदान किया है जिसका लाभ यहाँ अध्ययनरत विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा अध्यापनरत संकाय को प्रत्यक्ष रूप में मिल रहा है | विश्वविद्यालय अनुसंधान, खेल कूद, सांस्कृतिक, सामुदायिक चेतना, समाज सेवा व अन्य कार्यों के माध्यम से राष्ट्रीय समाज के लिए बहुत ही तेजी के साथ एक बहुमूल्य निधि बनकर स्थापित हुआ है |

विश्वविद्यालय भारत सरकार के पंच प्रण व संकल्प से सिद्धि के सिद्धांत को अपनाते हुए एवं नेति नेति चरैवेति चरैवेति के मूल मंत्र पर चलते हुए पुन: भारत वर्ष को विश्व गुरु बनाने के मार्ग पर तेजी से अग्रसर है |